

DPN 6467

Title : स्नान विधि SNANA VIDHI

Run. No. 7192

Cat. No.

Micro. No.

Subject धर्मशास्त्र Code of conduct

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 16 X 6

Folios 4

Lines (in a page) 5/6

✓
Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. ✓ / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu ✓ /

Condition : fine ✓ / damaged ✓ by worms, rats, water ✓ /

Beginning, colophon, post-colophon :

↓
अनन्तः श्री कृष्णाय ॥ अथ स्नान विधि ॥

निर्मापि वाक्य Colophon : - इति स्नान विधि ॥

ॐ
दक्षिणाकायदनिमविवरसा

दीकामराकशूद्रस्नानविधि
॥

0 cmts.

5

10

15

१०
कु
१ॐ नमः ४ ग्रीष्म य ॥ अथ स्नान विधि ॥ लंख जादा उ ॥ अथ कार्ति
कमास विष्णु यथार्थ वाग्मगी मणिमथा ४ संगम स्नान मदीक
विष्णु ॥ ॥ लंख गत ॥ नमः ४ कमल नागा य नमः ४ जल ४ न
यिन नमः ४ मुदुषी क ४ ग ४ हा ४ प ४ ध ४ नि मा ४ मु ४ ॥ थ न भा
उद्गु य ॥ लंख नहा य ॥ विष्णु रु द्र व कार्थार्थ ४ य ४ पूना रु क

रावन ४ संविष्णु ४ सर्वया य ४ पूना उद्गु य या ४ मी ॥ विष्णु वाङ्मा म
नूया य कार्ति क वृग का व ल ग ॥ न रु नु द वा स ४ सर्व मायु न नु स
वा स वा ४ २ ॥ वे द म नु ४ स वी जं सु स न द स्या ४ स य न्न वा ४
क स्या या या थ म न या मायु न नु स दे व ग ४ ३ ॥ गं ग या ४ स
निर ४ स वी र्मी थ नि जं ल दान दा ४ स म य सा ग रा ४ सर्व मायु
न नु उ ला श या ४ ४ ॥ य नि व ता स्त दि स्या या ४ य द्वा ४ सि द्धा ४

८५७

5



0

cm.

5

10

15

वत्स४ पुत्रयत्रम४४ गवति४ रुतमातन। ताद्यनितियमागषू। अमृगग्रहन्तुचि॥ १७१० (धसायथि)

नकुमाशयाविद्वहे. धनुर्धरायधीमहि। नो। वेहृप्रचा

5

0

cm. ts.

5

10

15

रागभे ॥ गिरि पतिया संपति ओत्सुग लपती ॥ गोत्त आति ॥ भगति
ओत ओत्सुगति ॥ पारवति या विनति विनति सिद्धि पति ॥ रस अति तान
साति दे विवाग मती ॥ ५ ॥ दंत सति ती क भति मिखा पले पति ॥ आस
नाति छु सति सा क नि या पति ॥ २ ॥ हे ल मोति थुडा मोति ह्या
क स छि जंती ॥ ध्वला हाति नि वि उ ति भुगति नि वोति ॥ ३ ॥

धु से अति तेज जो ॥ ति न गति या पति ॥ हा क सति दुषी ठोति
छि तुति जि गति ॥ ४ ॥